यार्न की कीमतों में वृद्धि से गारमेंट निर्यात प्रभावित होने की आशंका

जाह्यू, नई दिल्ली: काटन यार्न की कीमतों में हो रही बढ़ोतरी से गारमेंट निर्यात प्रभावित होने की आशंका पैदा है। गारमेंट निर्यातकों के मुताबिक यार्न के दाम में पिछले एक माह में 10 प्रतिशत तो पिछले 18 महीनों में 100 प्रतिशत तक का इजाफा हो चुका है। गारमेंट निर्यातकों ने बताया कि मुख्य रूप से यार्न के निर्यात में बढ़ोतरी से यार्न के दाम में तेजी आई है। अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (एईपीसी) ने वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय से यार्न के दाम में तेजी को रोकने के लिए हस्तक्षेप की मांग की है।

इस साल मार्च में काटन यार्न के दाम 376 रुपये प्रति किलो थे जो इस साल अप्रैल में 406 रुपये प्रति किलो हो गया। डेढ़ साल पहले काटन यार्न की कीमत 200 रुपये प्रति किलोग्राम थी। एईपीसी के चेयरमैन नरेंद्र गोयनका के मुताबिक कच्चे माल की लागत में लगातार बढ़ोतरी से अपैरल की पूरी चेन प्रभावित हो रही है जिससे चालू वित्त वर्ष 2022-23 में रेडीमेड गारमेंट के तय लक्ष्य को हासिल करना मुश्किल हो सकता है।